

भारतीय राजनीतिक चिंतन (Indian Political Thought)

for
B.A. Semester VI
Paper 1

Author

Dr. Yogendra Kumar Vikal

Associate Professor

Dept. of Political Science, R.S.S. (PG) College, Pilkhuwa, Hapur (U.P.)

Dr. Sudhir Kumar

Assistant Professor

Dept. of Political Science, Multanival Modi College, Modinagar (U.P.)



Title: Indian Political Thought

Authors: Dr. Yogendra Kumar Vikal and Dr. Sudhir Kumar

ISBN : 978-93-49911-50-5

First Edition : 2026

Printing : Shiv Offset Printers, Meerut

DTP : Learning Media DTP Unit, Meerut

Design: Learning Media Designing Unit, Meerut

© ***Publisher***

Publisher: Learning Media Publication, Meerut

Regd. Office :

Learning Media Publication

A-16, Aman Vihar, Mawana Road,

Opp. J.P. Academy, Meerut- 250001

Contact No. +91-8449001390, 8791976106

E-mail : learningmediapublicationmeerut@gmail.com

Website : www.learningmedia.in

Price : ₹225

- The views expressed by the authors are their own. The editors and publishers do not own any legal responsibility or liability for the views of the authors, any omission or inadvertent errors.
- No part of this book may be reproduced or transmitted by any means/forms, electronic, mechanical, or any other way, without prior written permission from the publishers.
- Any dispute arising due to any issue/issues related to the publication of this book shall be subject to the jurisdiction of Meerut Courts only.

CONTENTS

UNIT 1. प्राचीन विचार : मनु एवं कौटिल्य Ancient Thought: Manu & Kautilya	1-21
UNIT 2. मध्यकालीन विचार Medieval Thought Political thinking in the Islamic, Sikh and Maratha traditions	22-45
UNIT 3. आधुनिक भारत में चिंतन और विचार Thinking and Ideas in Modern India Reform traditions Raja Ram Mohan Roy, Maulana Abul Kalam Azad, Swami Vivekananda	46-69
UNIT 4. राजनीतिक कल्पनाएँ Political Imaginations M. K. Gandhi, Jawaharlal Nehru, B. G. Tilak	70-94
UNIT 5. सामाजिक कल्पनाएँ Social Imaginations Jyotiba Phule, Devi Ahilyabai Halkar, Dr B. R. Ambedkar and Babu Jagjiwan Ram	95-120
UNIT 6. आर्थिक कल्पनाएँ Economic Imaginations Dada Bhai Nauroji, Jayaprakash Narayan, Dr Ram Manohar Lohia, Chaudhary Charan Singh	121-146

UNIT 7. सांस्कृतिक कल्पनाएँ	147-172
Cultural Imaginations	
VD Savarakar, MS Golwakar and Maulana Hasrat Mohani	
UNIT 8. सभ्यतागत कल्पनाएँ	173-197
Civilizational Imaginations	
Rabindranath Tagore, Deendayal Upadhyay	
Model Paper	198-213

UNIT

1

प्राचीन विचार : मनु एवं कौटिल्य

Ancient Thought: Manu & Kautilya

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन (ANCIENT INDIAN POLITICAL THOUGHT)

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन धर्मशास्त्रों (कानून और कर्तव्य पर ग्रंथ) और अर्थशास्त्र (राजनीति और अर्थशास्त्र का विज्ञान) जैसे ग्रंथों के साथ-साथ महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में गहराई से निहित है। यह परंपरा दार्शनिक आदर्शों, नैतिक अनिवार्यताओं और व्यावहारिक राज्य-प्रबंधों का अनूठा मिश्रण है। केंद्रीय संगठनात्मक सिद्धांत धर्म है—एक ऐसी अवधारणा जो धार्मिकता, कर्तव्य और ब्रह्मांडीय एवं सामाजिक व्यवस्था का प्रतीक है। राज्य को धर्म को बनाए रखने के लिए एक आवश्यक साधन के रूप में देखा जाता है, जो दंड (सज़ा) को लागू करने के साधन के रूप में प्रयोग करता है। राज्य के सिद्धांत को अक्सर सप्तंग सिद्धांत (राज्य के सात अंग या तत्व) और राजधर्म (राजा के विशिष्ट कर्तव्य) की अवधारणा के माध्यम से विस्तृत किया जाता है। इस युग को दो प्रमुख व्यक्तित्व परिभाषित करते हैं: सामाजिक और संवैधानिक कानून के संहिताकार मनु और राज्य-प्रबंधन और प्रशासन के व्यावहारिक विशेषज्ञ कौटिल्य (जिन्हें चाणक्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है)।

मनु एवं कौटिल्य प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की दो प्रमुख, परस्पर पूरक धाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। मनु नैतिक एवं संवैधानिक ढाँचा प्रदान करते हैं, जो राज्य को धर्म एवं सामाजिक कर्तव्य से जोड़ता है। कौटिल्य परिचालन मार्गदर्शिका प्रदान करते हैं, जो शक्ति अर्जित

Ancient Indian political thought is deeply rooted in texts known as **Dharmashastras** (treatises on law and duty) and **Arthashastra** (the science of politics and economics), as well as epic narratives like the *Mahabharata* and *Ramayana*. This tradition uniquely blends **philosophical ideals, ethical imperatives, and practical statecraft**. The central organizing principle is **Dharma**—a concept signifying righteousness, duty, and the cosmic and social order. The state is seen as a necessary instrument to uphold Dharma, employing **Danda** (the rod or punishment) as a means of enforcement. The theory of the state is often elaborated through the **Saptanga theory** (the seven limbs or elements of the state) and the concept of **Rajdharma** (the specific duties of the king). Two towering figures define this era: **Manu**, the codifier of social and constitutional law, and **Kautilya** (also known as Chanakya or Vishnugupta), the pragmatic master of statecraft and administration.

Manu and Kautilya represent the two dominant, complementary streams of ancient Indian political thought. **Manu** provides the **ethical and constitutional framework**, anchoring the state in Dharma and social duty. **Kautilya** provides the **operational**

करने, बनाए रखने एवं प्रयोग करने के यांत्रिकी का विस्तार से वर्णन करती है। साथ में, वे शासन, समाज एवं राज्य पर पारम्परिक भारतीय विचारों की आधारशिला रखते हैं।

manual, detailing the mechanics of acquiring, maintaining, and exercising power. Together, they form the bedrock of traditional Indian ideas on governance, society, and the state.

मनु (मनुस्मृति) [MANU (MANUSMRTI)]

- मनुस्मृति या 'मनु के नियम' सबसे प्रामाणिक एवं प्रारम्भिक धर्मशास्त्रों में से एक है, जिसकी रचना लगभग दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी के बीच मानी जाती है।
- यह केवल एक कानूनी संहिता नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन, शासन एवं व्यक्तिगत आचरण के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका है।
- इसने वर्ण-आश्रम-धर्म की व्यवस्था को सुस्पष्ट रूप से परिभाषित किया है, जो व्यक्ति की सामाजिक श्रेणी (वर्ण) एवं जीवन की अवस्था (आश्रम) के आधार उसके विशिष्ट कर्तव्यों (स्वधर्म) का निर्धारण करती है।

The *Manusmriti* or 'Laws of Manu' is one of the most authoritative and earliest Dharmashastras, composed roughly between the 2nd century BCE and the 3rd century CE. Attributed to the sage Manu, the progenitor of humanity in Hindu tradition, this text is not merely a legal code but a comprehensive manual for social life, governance, and personal conduct. It systematically outlines the **Varna-Ashrama-Dharma** system, prescribing specific duties (*svadharma*) based on one's social class (*varna*) and stage of life (*ashrama*). Its political philosophy is inextricably linked to this social framework.

प्रमुख राजनीतिक विचार

🏰 राज्य एवं राजत्व की उत्पत्ति

- **दैवीय और संविदात्मक उत्पत्ति:** मनु एक ऐसा सिद्धांत प्रतिपादित करते हैं जो दैवीय विधान को सामाजिक अनुबंध के साथ जोड़ता है। प्राकृतिक अवस्था में (अराजकता और भय की स्थिति जिसे मत्स्यन्याय या 'मछलियों का नियम' कहा जाता है), लोग सुरक्षा के लिए देवताओं के पास गए। इसके उत्तर में, देवताओं ने प्रथम राजा को भेजा, जिसका सृजन इंद्र, वायु और यम जैसे प्रमुख देवताओं के सार से शाश्वत कर्णों को निकालकर किया गया था।
- **रक्षा के बदले कर:** राजा का शासन चलाने एवं कर वसूलने का अधिकार उसकी प्रजा को दी गई रक्षा के बदले वेतन (मेहनताना) के रूप में वैध ठहराया गया है। यह एक पारस्परिक दायित्व स्थापित करता है: राजा रक्षा करेगा और प्रजा कर देगी तथा आज्ञा का पालन करेगी।

Key Political Ideas

🏰 Origin of State and Kingship

- **Divine and Contractual Origin:** Manu propounds a theory that blends divine ordination with a social contract. In a state of nature (a condition of anarchy and fear termed *Matsyanyaya*, or 'the law of the fish'), people approached the gods for protection. In response, the divine beings sent the first king, who was created by extracting eternal particles from the essence of major deities like Indra, Vayu, and Yama.
- **Extraction of Taxes as Wage:** The king's right to rule and collect taxes is legitimized as a 'wage' (*vetana*) for the vital service of protection he provides to the people. This creates a mutual obligation: the king protects, and the subjects pay taxes and obey.

राजत्व का सिद्धान्त एवं राजधर्म

- **धर्म के संरक्षक के रूप में राजा:** राजा का प्राथमिक एवं पवित्र कर्तव्य (राजधर्म) धर्म अर्थात् सामाजिक एवं सार्वभौमिक व्यवस्था की रक्षा करना है।
- **दैवीय गुण:** राजा स्वयं देवता नहीं है, किन्तु उसमें एक दैवीय तेज विद्यमान रहता है, जो सम्मान एवं आज्ञापालन सुनिश्चित करता है। उसकी अवज्ञा धर्म की अवज्ञा के समान है।
- **कर्तव्य (राजधर्म):** उसके विशिष्ट कर्तव्यों में शामिल हैं:
- **रक्षा:** प्रजा, राज्य तथा सामाजिक व्यवस्था (वर्ण व्यवस्था) की सुरक्षा करना।
- **न्याय प्रशासन:** सर्वोच्च न्यायाधीश के रूप में कार्य करना, दण्ड तथा धर्मशास्त्रों के सिद्धान्तों के आधार पर मामलों का निर्णय करना।
- **दण्ड:** दण्ड का शासन (दण्डनीति) उसकी राजनीति का मूल आधार है। न्यायपूर्वक लगाया गया दण्ड सतयुग लाता है तथा अन्यायपूर्वक लगाया गया दण्ड अराजकता की ओर ले जाता है।

सामाजिक दर्शन: वर्ण व्यवस्था

- **सावयवी एवं श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था:** मनु का राज्य चार वर्षों पर आधारित एक दृढ़, कर्तव्य-केन्द्रित एवं श्रेणीबद्ध सामाजिक संरचना पर टिका है: ब्राह्मण (पुरोहित, शिक्षक), क्षत्रिय (शासक, योद्धा), वैश्य (व्यापारी, कृषक) तथा शूद्र (सेवक)।
- **कार्यात्मक विभाजन:** प्रत्येक वर्ण के विशिष्ट, वंशानुगत कर्तव्य (स्वधर्म) हैं:
- **ब्राह्मण:** अध्ययन, अध्यापन, यज्ञ करना तथा दान लेना।
- **क्षत्रिय:** रक्षा करना, न्याय प्रशासन करना तथा शासन करना।

Theory of Kingship and Rajdharma

- **The King as the Upholder of Dharma:** The primary and sacred duty of the king (*Rajdharma*) is to protect Dharma—the social and cosmic order. He is both a servant and an embodiment of Dharma.
- **Divine Attributes:** While not a god himself, the king possesses a divine essence (*tejas*) that commands respect and obedience. Disobeying him is equated with disobeying Dharma itself.
- **Duties (Rajdharma):** His specific duties include:
- **Protection (Raksha):** Safeguarding the subjects, the state, and the social order (the Varna system).
- **Administration of Justice (Vyavahara):** Acting as the supreme judge, deciding cases based on the principles of Danda and Dharmashastras.
- **Punishment (Danda):** Wielding the rod of punishment wisely and impartially. **Dandaniti** (the science of punishment) is the core of his statecraft. Danda, when applied justly, ensures the age of righteousness (*Satya Yuga*); when misapplied, it leads to chaos.

Social Philosophy: Varna System

- **Organic and Hierarchical Social Order:** Manu's state is built upon a rigid, duty-based, and hierarchical social structure comprising four Varnas: **Brahmins** (priests, teachers), **Kshatriyas** (rulers, warriors), **Vaishyas** (traders, agriculturists), and **Shudras** (servants).
- **Functional Division:** Each Varna has specific, hereditary duties (*svadharma*):
- **Brahmins:** Study, teach, perform sacrifices, and receive gifts.
- **Kshatriyas:** Protect, administer justice, and govern.

- **वैश्यः** व्यापार, कृषि एवं पशुपालन करना।
- **शूद्रः** तीन उच्च वर्णों की सेवा करना।
- **शासन का आधारः** राजा की मुख्य भूमिका इस विभाजन को बनाए रखना एवं लागू करना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक समूह अपना निर्धारित कार्य करे तथा दूसरे के कार्य में हस्तक्षेप न करे। यह स्थिरता राज्य की समृद्धि के लिए आवश्यक मानी गई है।

❧ कानून और न्याय की अवधारणा

- **कानून के स्रोतः** मनु ने धर्म के चार प्रमुख स्रोत बताए हैं:
 1. श्रुति (वेद, ईश्वरीय शास्त्र)।
 2. स्मृति (परंपरा, जिसमें स्वयं मनुस्मृति जैसे ग्रंथ शामिल हैं)।
 3. सदाचार (सद्गुणी व्यक्तियों का आचरण)।
 4. आत्मतुष्टि (अन्यत्र वर्णित न होने वाले मामलों के लिए स्वयं की अंतरात्मा)।
- **न्यायिक प्रक्रियाः** राजा को विद्वान ब्राह्मणों से परामर्श करके मामलों का निर्णय करने की सलाह दी जाती है। न्यायिक प्रक्रिया में स्थानीय रीति-रिवाजों, दस्तावेजों और गवाहों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

❧ आलोचनात्मक मूल्यांकन

- **शक्तियाँ:** एक व्यापक एवं स्थिर सामाजिक-कानूनी ढाँचा प्रदान किया जिसने सदियों तक भारतीय समाज का मार्गदर्शन किया। राजत्व के नैतिक एवं कर्तव्यपरक स्वरूप पर बल दिया।
- **आलोचनाएँ:** इसकी दृढ़, श्रेणीबद्ध एवं भेदभावपूर्ण वर्ण व्यवस्था मूलतः असमतावादी है। इसने सामाजिक असमानता को संस्थागत बनाया तथा सामाजिक गतिशीलता को सीमित किया, जिससे निम्न वर्गों एवं स्त्रियों का उत्पीड़न हुआ।

- **Vaishyas:** Engage in trade, agriculture, and cattle-rearing.
- **Shudras:** Serve the three higher Varnas.
- **Basis of Governance:** The king's key role is to maintain and enforce this division, ensuring each group performs its prescribed function without encroaching on another's. This stability is considered essential for the prosperity of the state.

❧ Concept of Law and Justice

- **Sources of Law:** Manu identifies four primary sources of law (*Dharma*):
 1. Shruti (the Vedas, revealed scripture).
 2. Smriti (tradition, including texts like Manusmriti itself).
 3. Sadachara (conduct of the virtuous).
 4. Atmatusti (one's own conscience, for matters not covered elsewhere).
- **Judicial Process:** The king is advised to decide cases in consultation with learned Brahmins. The judicial process should consider local customs, documents, and witnesses.

❧ Critical Evaluation

- **Strengths:** Provided a comprehensive and stable socio-legal framework that guided Indian society for centuries. Emphasized the ethical and duty-bound nature of kingship.
- **Criticisms:** Its rigid, hierarchical, and discriminatory Varna system is fundamentally anti-egalitarian. It institutionalized social inequality and restricted social mobility, oppressing lower Varnas and women.

कौटिल्य (अर्थशास्त्र) [KAUTILYA (ARTHASHASTRA)]

पृष्ठभूमि

- कौटिल्य, जिन्हें चाणक्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है, मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त (लगभग 320-298 ईसा पूर्व) के महामंत्री थे।
- उनका अर्थशास्त्र ('धन एवं राजनीति का विज्ञान') राजनीति, अर्थव्यवस्था, सैन्य रणनीति एवं प्रशासन पर एक मौलिक एवं अद्वितीय ग्रन्थ है।
- यह ग्रहण रूप से लौकिक, व्यावहारिक एवं अनुभवजन्य है, जिसे अक्सर यथार्थवादी राजनीति (Realpolitik) का उत्कृष्ट उदाहरण कहा जाता है।

प्रमुख राजनीतिक विचार

अर्थ की केन्द्रीयता

- **अर्थ की सर्वोपरिता:** कौटिल्य मानवीय एवं राजकीय उद्देश्यों के केन्द्र में अर्थ (भौतिक कल्याण, धन, शक्ति) को रखते हैं। उनका तर्क है कि धर्म (नैतिकता) एवं काम (सुख) दोनों अर्थ पर निर्भर हैं। एक समृद्ध एवं शक्तिशाली राज्य अन्य सभी लक्ष्यों की आधारशिला है।
- **राजनीति का विज्ञान:** अर्थशास्त्र राजा (स्वामी) के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका है कि कैसे शक्ति एवं भूमि प्राप्त की जाए, उसे बनाए रखा जाए तथा उसका विस्तार किया जाए।

राज्य का सिद्धान्त: सप्तांग

कौटिल्य प्राचीन भारत में राज्य का सबसे विस्तृत एवं व्यवस्थित सिद्धान्त सप्तांग या 'सात अंगों का सिद्धान्त' प्रस्तुत करते हैं। राज्य एक सावयव इकाई है जिसके सात परस्पर सम्बद्ध अंग हैं:

1. **स्वामी (शासक/राजा):** राज्य की केन्द्रीय धुरी। उसमें बुद्धि, ऊर्जा एवं व्यक्तिगत गुण होने चाहिए। उसके कर्तव्य राज्य के कल्याण एवं सुरक्षा पर केन्द्रित हैं।

Background

Kautilya, traditionally identified as **Chanakya** or **Vishnugupta**, was the chief minister of Chandragupta Maurya (c. 320–298 BCE). His **Arthashastra** ('The Science of Wealth and Politics') is a seminal, unparalleled treatise on statecraft, economics, military strategy, and administration. It is profoundly secular, pragmatic, and empirical, often described as **realpolitik**.

Key Political Ideas

Scope and Centrality of Artha

- **Supremacy of Artha:** Kautilya places Artha (material well-being, wealth, power) at the center of human and state pursuits. He argues that Dharma (righteousness) and **Kama** (pleasure) are dependent on Artha. A prosperous and powerful state is the foundation for all other goals.
- **Science of Statecraft:** The *Arthashastra* is a detailed manual for the king (*Svami*) on how to acquire, maintain, and expand power and territory.

Theory of State: Saptanga

Kautilya provides the most elaborate and systematic theory of the state in ancient India—the **Saptanga** or 'Seven Elements' theory. The state is an organic entity comprising seven interrelated limbs:

1. **Swamin (The Sovereign/Ruler):** The lynchpin of the state. He must be endowed with intellect, energy, and personal qualities. His duties are exhaustive, centered on the welfare and security of the state.

2. **अमात्य (मंत्री/प्रशासक)** : नौकरशाही। कौटिल्य उनके चयन, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं जासूसी की कठोर विधियाँ बताते हैं ताकि निष्ठा एवं कुशलता सुनिश्चित हो।
3. **जनपद (क्षेत्र एवं जनसंख्या)** : एक आबाद एवं समृद्ध क्षेत्र पर बल दिया गया है जिसमें उपजाऊ भूमि, दुर्ग एवं संसाधन हों।
4. **दुर्ग (सुरक्षित राजधानी)** : रक्षा, प्रशासन एवं शरण के लिए रणनीतिक किले।
5. **कोष (कोषागार)** : राज्य के सभी कार्यों के लिए भरा हुआ कोषागार आवश्यक है। कौटिल्य कराधान, राजस्व संग्रह एवं राजकीय आर्थिक उद्यमों के बारे में जटिल विवरण देते हैं।
6. **दण्ड (सेना/बल)** : एक निष्ठावान, अच्छी तनखाह पाने वाली एवं सुव्यवस्थित सेना, जिसमें वंशानुगत सैनिक, भाड़े के सैनिक एवं सहयोगी शामिल हों।
7. **मित्र (सहयोगी राजा)** : एक मित्रवत विदेशी राजा, जिसे राज्य शक्ति का एक महत्वपूर्ण तत्व माना गया है। ऐसे गठजोड़ सुरक्षित करने एवं बनाए रखने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है।

राजनीति एवं विदेश नीति: मण्डल सिद्धान्त

- **मण्डल (राज्यों का चक्र)** : कौटिल्य का प्रसिद्ध भू-राजनीतिक मॉडल राजा के राज्य (विजिगीषु – विजय की इच्छा रखने वाला) को केन्द्र में रखता है, जिसके चारों ओर शत्रुओं (अरि), मित्रों (मित्र) तथा तटस्थ राजाओं के संकेद्रित चक्र होते हैं।
- **चार उपाय (नीति के साधन)** : अन्य राज्यों से निपटने के लिए, राजा निम्नलिखित साधनों का प्रयोग कर सकता है:
 1. साम (समझौता)
 2. दाम (उपहार/रिश्वत)
 3. दण्ड (बल/दंड)
 4. भेद (फूट डालना)

2. **Amatya (The Minister/ Administrator)**: The bureaucracy. Kautilya details rigorous methods for their selection, training, testing, and espionage to ensure loyalty and efficiency.
3. **Janapada (The Territory and Population)**: Emphasis on a populated and prosperous territory with features like fertile land, fortifications, and resources.
4. **Durga (The Fortified Capital)**: Strategic fortresses for defense, administration, and refuge.
5. **Kosha (The Treasury)**: A full treasury is vital for all state functions. Kautilya provides intricate details on taxation, revenue collection, and state economic enterprises.
6. **Danda (The Army/Force)**: A loyal, well-paid, and well-organized military, drawn from various sources including hereditary troops, mercenaries, and allies.
7. **Mitra (The Ally)**: A friendly foreign king, considered a crucial element of state power. Diplomacy is key to securing and maintaining such alliances.

Statecraft and Foreign Policy: Mandala Theory

- **Mandala (Circle of States)**: Kautilya's famous geopolitical model visualizes the king's state (*Vijigishu* – the conqueror) at the center, surrounded by concentric circles of enemies (*Ari*), allies (*Mitra*), and neutral kings.
- **Four Upayas (Means of Policy)**: To deal with other states, the king can employ:
 1. Sama (conciliation)
 2. Dama (gifts/bribery)
 3. Danda (force/punishment)
 4. Bheda (dissension/division)

- **विदेश नीति के छह उपाय (षट्गुण्य):** विशिष्ट कूटनीतिक रणनीतियों का एक समूह: शांति (संधि), युद्ध (विग्रह), युद्ध की तैयारी (आसन), आक्रमण (यान), शरण लेना (संश्रय), और द्वैधिभाव। इनका चुनाव सापेक्ष शक्ति के ठंडे और सुनियोजित आकलन पर निर्भर करता है।

प्रशासन एवं गुप्तचर व्यवस्था

- **केंद्रीकृत नौकरशाही:** कौटिल्य एक अत्यधिक केंद्रीकृत, जटिल एवं कुशल नौकरशाही ढाँचे का वर्णन करते हैं, जिसमें व्यापार, कृषि, खानों, जहाजरानी से लेकर वेश्यावृत्ति तक सभी चीजों की देखरेख करने वाले अनेक विभाग शामिल हैं।
- **गुप्तचरों की भूमिका:** गुप्तचर सेवा उनकी व्यवस्था की आधारशिला है। गुप्तचरों का उपयोग आंतरिक रूप से मंत्रियों, नागरिकों एवं संभावित विद्रोहियों पर नजर रखने के लिए, तथा बाह्य रूप से शत्रु राज्यों से खुफिया जानकारी जुटाने के लिए किया जाता था। इससे नियंत्रण एवं सूचनापरक निर्णयन सुनिश्चित होता था।

दण्डनीति एवं कल्याणकारी राज्य

- **व्यवस्था के आधार के रूप में दण्ड:** मनु की भाँति कौटिल्य भी दण्ड पर बल देते हैं, किन्तु उनका दृष्टिकोण अधिक उपकरणात्मक है। न्यायपूर्ण दंड सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था (योगक्षेम — लोगों का कल्याण एवं सुरक्षा) सुनिश्चित करता है।
- **कल्याण की अवधारणा:** राजा का कर्तव्य अपनी प्रजा के भौतिक एवं आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देना है (प्रजा सुखे सुखं राज्ञः — प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है)। इसमें बुनियादी ढाँचे का निर्माण, असहायों का समर्थन, अर्थव्यवस्था का नियमन तथा अकाल की रोकथाम शामिल है।

- **Six Measures of Foreign Policy (Shadgunya):** A set of specific diplomatic strategies: Peace (*Sandhi*), War (*Vigraha*), Preparation for War (*Asana*), Attack (*Yana*), Seeking Refuge (*Samsraya*), and Dual Policy (*Dvaidhibhava*). The choice depends on a cold, calculated assessment of relative power.

Administration and Espionage

- **Bureaucratic Centralism:** Kautilya outlines a highly centralized, complex, and efficient bureaucratic structure with numerous departments overseeing everything from trade and agriculture to mines, shipping, and prostitution.
- **Role of Espionage:** The **secret service (Gudapurusha)** is a cornerstone of his system. Spies were used internally to monitor ministers, citizens, and potential dissidents, and externally to gather intelligence on enemy states. This ensured control and informed decision-making.

Dandaniti and the Welfare State

- **Danda as the Basis of Order:** Like Manu, Kautilya emphasizes **Danda**, but his approach is more instrumental. Just punishment ensures social and political order (*Yogakshema* — welfare and security of the people).
- **Concept of Welfare:** The king's duty is to promote the material and spiritual welfare of his subjects (*Praja Sukhe Sukham Raja* — in the happiness of the subjects lies the happiness of the king). This includes building infrastructure, supporting the helpless, regulating the economy, and preventing famine.

आलोचनात्मक मूल्यांकन

- **शक्तियाँ:** व्यावहारिक राजनीति एवं प्रशासन की एक उत्कृष्ट कृति। राज्य शक्ति के प्रति इसका यथार्थवादी, व्यवस्थित दृष्टिकोण तथा अर्थशास्त्र, रणनीति एवं नौकरशाही में इसकी अंतर्दृष्टि आश्चर्यजनक रूप से आधुनिक है।
- **आलोचनाएँ:** अक्सर इसकी तुलना मैकियावेली (मैकियावेली से सदियों पहले) से की जाती है, क्योंकि यह नीतिहीन, साध्य-साधन दोनों को सही ठहराने वाला दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। जासूसी एवं छल के व्यापक उपयोग को एक व्यापक पुलिस राज्य की वकालत के रूप में देखा जा सकता है। शक्ति पर निरंतर ध्यान नैतिक विचारों को गौण कर सकता है।

Critical Evaluation

- **Strengths:** A masterpiece of practical politics and administration. Its realism, systematic approach to state power, and insights into economics, strategy, and bureaucracy are astonishingly modern.
- **Criticisms:** Often labeled as **Machiavellian** (centuries before Machiavelli) for its amoral, ends-justify-the-means approach. The extensive use of espionage and deceit can be seen as advocating a pervasive police state. The relentless focus on power can overshadow ethical considerations.

मनु बनाम कौटिल्य

विशेषता	मनु	कौटिल्य
मूल ग्रन्थ	मनुस्मृति (धर्मशास्त्र)	अर्थशास्त्र
प्राथमिक ध्येय	धर्म (कानून, कर्तव्य, सामाजिक व्यवस्था)	अर्थ (शक्ति, धन, राजनीति)
सिद्धान्त का आधार	नैतिक, धार्मिक, आदर्शवादी	व्यावहारिक, लौकिक, अनुभवजन्य
राज्य सिद्धान्त	दैवीय-संविदात्मक उत्पत्ति; धर्म के संरक्षक के रूप में राजा।	सप्तांग सिद्धान्त; राज्य एक शक्ति-संगठन के रूप में।
सामाजिक दृष्टिकोण	स्थिर, श्रेणीबद्ध वर्ण व्यवस्था। कर्तव्य-आधारित।	अधिक लचीला, आर्थिक कार्यों एवं राजकीय नियंत्रण पर केंद्रित।
प्रमुख साधन	एक नैतिक शक्ति के रूप में दण्ड।	शक्ति एवं व्यवस्था के लिए एक व्यावहारिक उपकरण के रूप में दण्ड।
विदेश नीति	कम विस्तृत।	अत्यधिक विस्तृत मण्डल सिद्धान्त एवं षाड्गुण्य नीति।
प्रशासन	न्याय एवं कर्तव्य के सामान्य सिद्धान्त।	विस्तृत, केंद्रीकृत नौकरशाही एवं व्यापक गुप्तचर व्यवस्था।
विरासत	महान विधि-निर्माता; सामाजिक संरचना को आकार दिया।	परम यथार्थवादी एवं रणनीतिकार; राजनीति को आकार

Manu vs. Kautilya

Feature	Manu	Kautilya
Core Text	<i>Manusmriti</i> (Dharmashastra)	<i>Arthashastra</i>
Primary Focus	Dharma (Law, Duty, Social Order)	Artha (Power, Wealth, Statecraft)
Basis of Theory	Ethical, Religious, Normative	Pragmatic, Secular, Empirical
State Theory	Divine-contractual origin; King as upholder of Dharma.	Saptanga (Seven-element) theory; State as a power organism.
Social Vision	Static, hierarchical Varna system . Duty-based.	More flexible, focused on economic functions and state control.
Key Instrument	Danda as a moral force for Dharma.	Danda as a practical tool for power and order.
Foreign Policy	Less elaborated.	Highly elaborated Mandala Theory and Shadgunya .
Administration	General principles of justice and duty.	Detailed, centralized bureaucracy and pervasive espionage .
Legacy	The great lawgiver ; shaped social structure.	The ultimate realist and strategist ; shaped statecraft.

QUESTION

1. मनुस्मृति मूलतः एक ग्रंथ है:

- (a) अर्थशास्त्र और व्यापार पर
- (b) धर्म और सामाजिक व्यवस्था पर
- (c) सैन्य रणनीति पर
- (d) विदेश नीति पर

उत्तर: (b) धर्म और सामाजिक व्यवस्था पर

मनुस्मृति का केंद्रीय विषय धर्म (कर्तव्य, नियम, नैतिकता) का संहिताकरण है, जो व्यक्ति, राजा और सामाजिक वर्गों (वर्णों) को नियंत्रित करता है।

2. कौटिल्य के अनुसार, राज्य का परम लक्ष्य है:

- (a) आध्यात्मिक मोक्ष
- (b) प्रजा की रक्षा एवं कल्याण
- (c) क्षेत्रीय विस्तार
- (d) धन संचय

उत्तर: (b) प्रजा की रक्षा एवं कल्याण

कौटिल्य अर्थशास्त्र में कहता है कि 'राजा का सुख प्रजा के सुख में है; उसका कल्याण उनके कल्याण में निहित है।'

3. प्राचीन भारतीय विचार में 'मत्स्य न्याय' (बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है) सिद्धांत संदर्भित करता है:

- (a) पुनर्जन्म के चक्र को
- (b) राजशक्ति के दैवीय उत्पत्ति को
- (c) अराजकता की उस स्थिति को जहां शक्तिशाली कमजोर को खा जाते हैं
- (d) अहिंसा के सिद्धांत को

उत्तर: (c) अराजकता की उस स्थिति को जहाँ शक्तिशाली कमजोर को खा जाते हैं

यह बिना शासक की प्राकृतिक अराजक अवस्था है, जिसका उपयोग व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक राजा (राज्य) की आवश्यकता को सही ठहराने के लिए किया जाता है।

4. कौटिल्य का राज्य का 'सप्तांग सिद्धांत' शामिल करता है:

- (a) 5 तत्व
- (b) 6 तत्व
- (c) 7 तत्व
- (d) 8 तत्व

उत्तर: (c) 7 तत्व

सात परस्पर निर्भर तत्व (प्रकृतियाँ) हैं: स्वामी (राजा), अमात्य (मंत्री), जनपद (क्षेत्र एवं प्रजा), दुर्ग (सुरक्षित राजधानी), कोष (खजाना), दंड (सेना) और मित्र (सहयोगी)।

1. The Manusmriti is essentially a treatise on:

- (a) Economics and trade
- (b) Dharma and social order
- (c) Military strategy
- (d) Foreign policy

Ans. (b) Dharma and social order

The central theme of Manusmriti is the codification of Dharma (duty, law, righteousness) governing the individual, the king, and the social classes (Varnas).

2. According to Kautilya, the ultimate goal of the state is:

- (a) Spiritual liberation (Moksha)
- (b) Protection and welfare of the people
- (c) Territorial expansion
- (d) Accumulation of wealth

Ans. (b) Protection and welfare of the people

Kautilya in the Arthashastra states that 'the happiness of the king lies in the happiness of his subjects; his welfare is their welfare.'

3. The theory of 'Matsya Nyaya' (Law of the Fish) in ancient Indian thought refers to:

- (a) The cycle of rebirth
- (b) The divine origin of kingship
- (c) The state of anarchy where the strong devour the weak
- (d) The principle of non-violence

Ans. (c) The state of anarchy where the strong devour the weak

It is the chaotic state of nature without a ruler, used to justify the need for a king (state) to maintain order.

4. Kautilya's 'Saptanga Theory' of State consists of:

- (a) 5 elements
- (b) 6 elements
- (c) 7 elements
- (d) 8 elements

Ans. (c) 7 elements

The seven interdependent elements (prakritis) are: Swami (King), Amatya (Ministers), Janapada (Territory & People), Durga (Fortified Capital), Kosha (Treasury), Danda (Army), and Mitra (Ally).

5. मनु के अनुसार, क्षत्रिय (शासक वर्ग) का प्राथमिक कर्तव्य है:

- (a) वेदों का अध्ययन एवं अध्यापन करना
- (b) प्रजा की रक्षा करना और न्याय प्रशासन करना
- (c) व्यापार और कृषि में संलग्न रहना
- (d) अन्य तीन वर्णों की सेवा करना

उत्तर: (b) प्रजा की रक्षा करना और न्याय प्रशासन करना
मनु प्रत्येक वर्ण के लिए विशिष्ट स्वधर्म निर्धारित करता है। रक्षा (रक्षण) और प्रशासन क्षत्रिय के मूल कर्तव्य हैं।

6. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में, 'दंडनीति' शब्द का अर्थ है:

- (a) अर्थशास्त्र का विज्ञान
- (b) कूटनीति का विज्ञान
- (c) शासन एवं दंड का विज्ञान
- (d) नीतिशास्त्र का विज्ञान

उत्तर: (c) शासन एवं दंड का विज्ञान
दंडनीति, दंड (दंड की छड़ी) के प्रयोग का विज्ञान है, जो कानून, न्याय और प्रशासन की आधारशिला है।

7. राजशक्ति की उत्पत्ति का मनु का सिद्धांत मूलतः है:

- (a) सामाजिक संविदात्मक
- (b) दैवीय
- (c) धर्मनिरपेक्ष और व्यावहारिक
- (d) सैन्य विजय पर आधारित

उत्तर: (b) दैवीय
मनु दैवीय उत्पत्ति सिद्धांत का प्रतिपादन करते हैं, यह कहते हुए कि राजा देवताओं द्वारा उनके तत्वों के अंशों से संसार की रक्षा के लिए रचा गया था।

8. कौटिल्य द्वारा प्रतिपादित विदेश नीति की चार विधियों (षड्गुण्य) में से कौन सा एक नहीं है?

- (a) संधि (सुलह/शांति)
- (b) विग्रह (युद्ध/शत्रुता)
- (c) धारणा (स्थिति को बनाए रखना)
- (d) आसन (तटस्थता)

उत्तर: (c) धारणा (स्थिति को बनाए रखना)
षड्गुण्य नीति में शामिल हैं: संधि, विग्रह, यान (प्रस्थान/तैयारी), आसन, संश्रय (शरण लेना), और द्वैधीभाव (दोहरी नीति)। 'धारणा' इस सूची का हिस्सा नहीं है।

9. मनुस्मृति 'वर्ण व्यवस्था' का विधान करती है, जो आधारित है:

- (a) आर्थिक स्थिति पर
- (b) जन्म पर
- (c) व्यक्तिगत अभिरुचि (गुण-कर्म) पर
- (d) शैक्षिक योग्यता पर

5. According to Manu, the primary duty of a Kshatriya (the ruling class) is:

- (a) To study and teach the Vedas
- (b) To protect the people and administer justice
- (c) To engage in trade and agriculture
- (d) To serve the other three Varnas

Ans. (b) To protect the people and administer justice

Manu assigns specific svadharma (own duty) to each Varna. Protection (rakshana) and administration are the core duties of the Kshatriya.

6. In Kautilya's Arthashastra, the term 'Dandaniti' means:

- (a) Science of economics
- (b) Science of diplomacy
- (c) Science of governance and punishment
- (d) Science of ethics

Ans. (c) Science of governance and punishment
Dandaniti is the science of wielding Danda (the rod of punishment), which is the foundation of law, justice, and administration.

7. Manu's concept of the origin of kingship is primarily:

- (a) Social Contractual
- (b) Divine
- (c) Secular and practical
- (d) Based on military conquest

Ans. (b) Divine

Manu propounds the divine origin theory, stating that the king was created by the gods from particles of their essences to protect the world.

8. Which of the following is NOT one of the four methods of foreign policy (Shadgunya(a) advocated by Kautilya?

- (a) Sandhi (Treaty/Peace)
- (b) Vighraha (War/Hostility)
- (c) Dharana (Maintaining status quo)
- (d) Asana (Neutrality)

Ans. (c) Dharana (Maintaining status quo)

The sixfold policy (Shadgunya) includes: Sandhi, Vighraha, Yana (Marching/Preparation), Asana, Samsraya (Seeking shelter), and Dvaidhibhava (Dual policy). 'Dharana' is not part of this list.

9. The Manusmriti prescribes 'Varna Vyavastha' based on:

- (a) Economic status
- (b) Birth
- (c) Personal aptitude (Guna-Karma)
- (d) Educational qualification

उत्तर: (c) व्यक्तिगत अभिरुचि (गुण-कर्म) पर व्यवहार में यह वंशानुगत हो गया, परंतु मनु सैद्धांतिक रूप से वर्ण व्यवस्था को व्यक्ति के अंतर्निहित गुणों (गुण) और कर्मों (कर्म) पर आधारित करता है।

10. कौटिल्य का आदर्श राजा निपुण होने की अपेक्षा रखता है:

- (a) आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता और दंडनीति में
- (b) केवल वेद और उपनिषद में
- (c) केवल सैन्य रणनीति में
- (d) ध्यान और योग में

उत्तर: (a) आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता और दंडनीति में ये चार विद्याएँ हैं: दर्शन, तीन वेद, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान। एक राजा को इन सभी का ज्ञान होना चाहिए।

11. मनु के अनुसार, धर्म का मुख्य स्रोत है:

- (a) राजा का आदेश
- (b) वेद (श्रुति)
- (c) प्रथागत प्रथाएँ
- (d) जनमत

उत्तर: (b) वेद (श्रुति)
मनु वेदों को धर्म का प्राथमिक और सर्वाधिक प्रामाणिक स्रोत मानते हैं।

12. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' का मुख्य केंद्र बिंदु है:

- (a) अर्थ (धन/शक्ति) को परम मानवीय लक्ष्य के रूप में
- (b) धर्म को परम मानवीय लक्ष्य के रूप में
- (c) मोक्ष को परम मानवीय लक्ष्य के रूप में
- (d) काम को परम मानवीय लक्ष्य के रूप में

उत्तर: (a) अर्थ (धन/शक्ति) को परम मानवीय लक्ष्य के रूप में धर्म और काम को स्वीकार करते हुए भी, कौटिल्य का कार्य अर्थ (भौतिक कल्याण, राजनीति, शक्ति) को अन्य सभी पुरुषार्थों की प्राप्ति का आधार मानकर प्राथमिकता देता है।

13. सप्तांग सिद्धांत में, 'कोष' संदर्भित करता है:

- (a) प्रजा को
- (b) राजकोष को
- (c) सेना को
- (d) मंत्रियों को

उत्तर: (b) राजकोष को
कोष (राजकोष) को राज्य की स्थिरता और नीतियों को लागू करने की क्षमता के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

14. मनु द्वारा सामाजिक असमानता का औचित्य निहित है, इस विचार में:

- (a) प्राकृतिक अधिकारों का
- (b) दैवी इच्छा और कर्म का
- (c) आर्थिक प्रतिस्पर्धा का
- (d) सैन्य शक्ति का

उत्तर: (b) दैवी इच्छा और कर्म का

Ans. (c) Personal aptitude (Guna-Karma)

While in practice it became hereditary, Manu theoretically bases the Varna system on an individual's inherent qualities (gun(a) and actions (karma).

10. Kautilya's ideal king is expected to be well-versed in:

- (a) Anvikshiki, Trayi, Varta, and Dandaniti
- (b) Vedas and Upanishads only
- (c) Military tactics only
- (d) Meditation and Yoga

Ans. (a) Anvikshiki, Trayi, Varta, and Dandaniti

These are the four sciences: Philosophy, the three Vedas, Economics, and Political Science. A king must have knowledge of all.

11. According to Manu, the main source of Dharma is:

- (a) The King's decree
- (b) The Vedas (Shruti)
- (c) Customary practices
- (d) Public opinion

Ans. (b) The Vedas (Shruti)

Manu considers the Vedas as the primary and most authoritative source of Dharma.

12. The key focus of Kautilya's 'Arthashastra' is on:

- (a) Artha (wealth/power) as the supreme human goal
- (b) Dharma as the supreme human goal
- (c) Moksha as the supreme human goal
- (d) Kama as the supreme human goal

Ans. (a) Artha (wealth/power) as the supreme human goal

While acknowledging Dharma and Kama, Kautilya's work prioritizes Artha (material well-being, statecraft, power) as the basis for achieving all other Purusharthas.

13. In the Saptanga theory, 'Kosha' refers to:

- (a) The people
- (b) The treasury
- (c) The army
- (d) The ministers

Ans. (b) The treasury

Kosha (Treasury) is considered vital for the state's stability and capacity to implement policies.

14. Manu's justification for social inequality is rooted in the idea of:

- (a) Natural rights
- (b) Divine will and Karma
- (c) Economic competition
- (d) Military strength

Ans. (b) Divine will and Karma

मनु पदानुक्रमित सामाजिक व्यवस्था को दैवीय सृजन और पूर्व जन्मों के कर्म के नियम का श्रेय देकर वैधता प्रदान करते हैं।

15. कौटिल्य सलाह देता है कि राजा को गुप्तचर मुख्यतः किस श्रेणी के लोगों में से नियुक्त करने चाहिए?

- (a) केवल ब्राह्मणों में से
- (b) केवल तपस्वियों और भिक्षुओं में से
- (c) सभी वर्गों और व्यवसायों के लोगों में से
- (d) केवल विदेशी राजनयिकों में से

उत्तर: (c) सभी वर्गों और व्यवसायों के लोगों में से
कौटिल्य की विस्तृत गुप्तचर प्रणाली (चर) में तपस्वी, गृहस्थ, व्यापारी, छात्र आदि के वेश में जासूस शामिल थे, ताकि सभी क्षेत्रों से सूचना एकत्र की जा सके।

16. मनुस्मृति में 'राजधर्म' की संकल्पना जोर देती है:

- (a) राजा के यज्ञ करने के कर्तव्य पर
- (b) सभी के कल्याण के लिए धर्म के अनुसार शासन करने के राजा के कर्तव्य पर
- (c) राजा के निरंकुश अधिकार पर
- (d) राजा के व्यक्तिगत मोक्ष पर

उत्तर: (b) सभी के कल्याण के लिए धर्म के अनुसार शासन करने के राजा के कर्तव्य पर

राजधर्म शासक पर लागू आचरण और कर्तव्यों का विशिष्ट संहिता है, जो रक्षा, न्याय और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने पर केंद्रित है।

17. सप्तांग सिद्धांत का कौन-सा तत्व कौटिल्य द्वारा सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है?

- (a) दंड (सेना)
- (b) कोष (राजकोष)
- (c) स्वामी (राजा)
- (d) मित्र (सहयोगी)

उत्तर: (c) स्वामी (राजा)

कौटिल्य राजा (स्वामी) को सबसे महत्वपूर्ण तत्व मानते हैं, वह धुरी जो अन्य सभी तत्वों को ऊर्जा देती है और समन्वयित करती है।

18. मनु के अनुसार, जो राजा दोषियों को दंडित करने में विफल रहता है, वह अर्जित करता है:

- (a) आर्थिक हानि
- (b) लोकप्रिय विद्रोह
- (c) आध्यात्मिक पाप
- (d) क्षेत्र की हानि

उत्तर: (c) आध्यात्मिक पाप

मनु का मानना है कि राजा उन अपराधों के दोष (पाप) में साझेदार बन जाता है जिन्हें वह दंडित करने में विफल रहता है। दंड (दंड) एक पवित्र कर्तव्य है।

Manu legitimizes the hierarchical social order by attributing it to a divine creation and the law of Karma from past lives.

15. Kautilya recommends that the king should appoint spies primarily from which category of people?

- (a) Only Brahmins
- (b) Only ascetics and mendicants
- (c) People from all walks of life and professions
- (d) Only foreign diplomats

Ans. (c) People from all walks of life and professions

Kautilya's elaborate spy system (chara) included spies disguised as ascetics, householders, merchants, students, etc., to gather intelligence from all sectors.

16. The concept of 'Rajadharma' in Manusmriti emphasizes:

- (a) The king's duty to perform sacrifices
- (b) The king's duty to rule according to Dharma for the welfare of all
- (c) The king's right to absolute power
- (d) The king's personal salvation

Ans. (b) The king's duty to rule according to Dharma for the welfare of all

Rajadharma is the specific code of conduct and duties enjoined upon the ruler, centered on protection, justice, and upholding the social order.

17. Which element of the Saptanga theory is considered the most vital by Kautilya?

- (a) Danda (Army)
- (b) Kosha (Treasury)
- (c) Swami (The King)
- (d) Mitra (Ally)

Ans. (c) Swami (The King)

Kautilya considers the King (Swami) as the most important element, the linchpin that energizes and coordinates all other elements.

18. According to Manu, a king who fails to punish the guilty incurs:

- (a) Financial loss
- (b) Popular revolt
- (c) Spiritual sin
- (d) Loss of territory

Ans. (c) Spiritual sin

Manu believes the king shares in the demerit (paapa) of crimes he fails to punish. Punishment (Danda) is a sacred duty.

19. विदेश नीति में कौटिल्य का 'मंडल सिद्धांत' आधारित है इस सिद्धांत पर:

- (a) गुटनिरपेक्षता
- (b) शक्ति का संकेंद्रण
- (c) 'मेरे शत्रु का शत्रु मेरा मित्र है'
- (d) सामूहिक सुरक्षा

उत्तर: (c) 'मेरे शत्रु का शत्रु मेरा मित्र है'

मंडल सिद्धांत राज्यों के एक ऐसे वृत्त की कल्पना करता है जहां पड़ोसी राज्य प्राकृतिक शत्रु (अरि) होते हैं और पड़ोसियों के पड़ोसी (शत्रु का शत्रु) प्राकृतिक मित्र (मित्र) होते हैं।

20. प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार में 'दंड' शब्द प्रतीक है:

- (a) आर्थिक शक्ति का
- (b) दंड देने और कानून लागू करने की शक्ति का
- (c) आध्यात्मिक प्राधिकार का
- (d) विधायी शक्ति का

उत्तर: (b) दंड देने और कानून लागू करने की शक्ति का दंड बल प्रयोग की संप्रभु शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, जो व्यवस्था, सुरक्षा और न्याय बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

21. स्त्रियों के संबंध में मनु के नियम मुख्यतः उन्हें चित्रित करते हैं:

- (a) स्वतंत्र इकाइयों के रूप में
- (b) पुरुषों के समान भागीदारों के रूप में
- (c) जीवन भर पुरुष संरक्षकों पर निर्भर के रूप में
- (d) संभावित शासकों के रूप में

उत्तर: (c) जीवन भर पुरुष संरक्षकों पर निर्भर के रूप में मनुस्मृति कहती है कि स्त्री को बचपन में पिता के, यौवन में पति के और बुढ़ापे में पुत्र के संरक्षण में रहना चाहिए।

22. प्रजा के लिए कौटिल्य की 'योगक्षेम' की अवधारणा शामिल करती है:

- (a) केवल सैन्य सुरक्षा
- (b) भौतिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा
- (c) केवल धार्मिक स्वतंत्रता
- (d) राजनीतिक भागीदारी

उत्तर: (b) भौतिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योगक्षेम राज्य की जिम्मेदारी को समाहित करता है कि वह प्रजा की समृद्धि (योग) और उसके सुरक्षित उपभोग (क्षेम) को सुनिश्चित करे।

19. Kautilya's 'Mandala Theory' in foreign policy is based on the principle of:

- (a) Non-alignment
- (b) Concentration of power
- (c) The enemy of my enemy is my friend
- (d) Collective security

Ans. (c) The enemy of my enemy is my friend

The Mandala theory visualizes a circle of states where neighboring states are natural enemies (ari) and states next to neighbors are natural allies (mitr(a)).

20. The term 'Danda' in ancient Indian political thought symbolizes:

- (a) Economic power
- (b) The power to punish and enforce law
- (c) Spiritual authority
- (d) Legislative power

Ans. (b) The power to punish and enforce law

Danda represents the sovereign power of coercion, essential for maintaining order, security, and justice.

21. Manu's laws regarding women primarily portray them as:

- (a) Independent entities
- (b) Equal partners to men
- (c) Dependent on male guardians throughout life
- (d) Potential rulers

Ans. (c) Dependent on male guardians throughout life

Manusmriti states that a woman should be under the protection of her father in childhood, husband in youth, and son in old age.

22. Kautilya's concept of 'Yogakshema' for the subjects includes:

- (a) Only military protection
- (b) Material well-being and social security
- (c) Only religious freedom
- (d) Political participation

Ans. (b) Material well-being and social security

Yogakshema encompasses the state's responsibility to ensure the subjects' prosperity (yoga) and their secure enjoyment of it (kshema).

23. मनु के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा कानून का स्रोत है?

- (a) केवल राजा की इच्छा
- (b) श्रुति (वेद), स्मृति (परंपरा), और सदाचार (अच्छी प्रथा)
- (c) लोक सभाएं
- (d) विदेशी मिसालें

उत्तर: (b) श्रुति (वेद), स्मृति (परंपरा), और सदाचार (अच्छी प्रथा)

मनु धर्म के कई स्रोत गिनाते हैं, जिसमें वेद सर्वोच्च हैं, उसके बाद स्मृतियाँ और सज्जनों का आचरण।

24. कौटिल्य की नौकरशाही में, 'समाहर्ता' जिम्मेदार था:

- (a) विदेशी मामलों के लिए
- (b) राजस्व वसूली के लिए
- (c) न्याय प्रशासन के लिए
- (d) सेना की कमान के लिए

उत्तर: (b) राजस्व वसूली के लिए

समाहर्ता राजस्व वसूली का प्रमुख अधिकारी था, कौटिल्य की विस्तृत प्रशासनिक संरचना में एक महत्वपूर्ण पद।

25. मनु की दंड प्रणाली विशेष रूप से थी:

- (a) सभी वर्णों के लिए एक समान
- (b) कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत पर आधारित
- (c) भेदभावपूर्ण, अपराधी और पीड़ित के वर्ण के आधार पर
- (d) अत्यंत उदार

उत्तर: (c) भेदभावपूर्ण, अपराधी और पीड़ित के वर्ण के आधार पर

दंड काफी भिन्न होते थे। एक निम्न वर्ण का व्यक्ति यदि उच्च वर्ण के व्यक्ति का अपराध करता था तो उसे कठोर दंड मिलता था, और इसका विपरीत।

26. कौटिल्य राजा को सलाह देता है कि पड़ोसी राज्य के साथ व्यवहार करे:

- (a) एक प्राकृतिक मित्र के रूप में
- (b) एक प्राकृतिक शत्रु (अरि) के रूप में
- (c) एक तटस्थ क्षेत्र के रूप में
- (d) एक बफर राज्य के रूप में

उत्तर: (b) एक प्राकृतिक शत्रु (अरि) के रूप में

यह मंडल सिद्धांत का एक मूल आधार है। तात्कालिक पड़ोसी अक्सर एक प्रतिद्वंद्वी होता है, जबकि पड़ोसी का पड़ोसी (शत्रु का शत्रु) एक संभावित मित्र होता है।

27. कौटिल्य की आर्थिक नीतियों का प्राथमिक उद्देश्य था:

- (a) समतावाद को बढ़ावा देना
- (b) राज्य शक्ति के लिए राज्य की आय को अधिकतम करना
- (c) मुक्त व्यापार को प्रोत्साहित करना
- (d) केवल आत्मनिर्भर ग्राम इकाइयों को बढ़ावा देना

23. Which of the following is a source of law according to Manu?

- (a) The King's will alone
- (b) Shruti (Vedas), Smriti (tradition), and sadachara (good custom)
- (c) Popular assemblies
- (d) Foreign precedents

Ans. (b) Shruti (Vedas), Smriti (tradition), and sadachara (good custom)

Manu enumerates multiple sources of Dharma, with Vedas at the apex, followed by Smritis and the conduct of the virtuous.

24. In Kautilya's bureaucracy, the 'Samaharta' was responsible for:

- (a) Foreign affairs
- (b) Collection of revenue
- (c) Administration of justice
- (d) Commanding the army

Ans. (b) Collection of revenue

The Samaharta was the chief collector of revenue, a crucial post in Kautilya's detailed administrative structure.

25. Manu's punishment system was notably:

- (a) Uniform for all Varnas
- (b) Based on the principle of equality before law
- (c) Differential, based on the Varna of the offender and victim
- (d) Extremely lenient

Ans. (c) Differential, based on the Varna of the offender and victim

Punishments varied significantly. A lower Varna person offending a higher Varna person received a harsher punishment, and vice-versa.

26. Kautilya advises the king to treat the neighboring state as:

- (a) A natural ally
- (b) A natural enemy (Ari)
- (c) A neutral zone
- (d) A buffer state

Ans. (b) A natural enemy (Ari)

This is a core premise of the Mandala theory. The immediate neighbor is often a rival, while the neighbor's neighbor (the enemy of the enemy) is a potential friend.

27. The primary objective of Kautilya's economic policies was to:

- (a) Promote egalitarianism
- (b) Maximize state revenue for state power
- (c) Encourage free trade
- (d) Promote self-sufficient village units only

उत्तर: (b) राज्य शक्ति के लिए राज्य की आय को अधिकतम करना

सभी आर्थिक नियम—कराधान, व्यापार, कृषि, खानें—राजकोष (कोष) को भरने के लिए तैयार किए गए थे ताकि प्रशासन और विस्तार को निधि मिल सके।

28. मनु के अनुसार, जो राजा धर्म के अनुसार शासन करता है, वह प्राप्त करता है:

- (a) केवल अपार धन
- (b) मृत्यु के बाद स्वर्ग
- (c) केवल लोकप्रियता
- (d) बिना युद्ध के विजय

उत्तर: (b) मृत्यु के बाद स्वर्ग

मनु धर्मपूर्ण राजत्व (राजधर्म) को धार्मिक पुण्य और आध्यात्मिक पुरस्कारों, जिसमें स्वर्ग में स्थान शामिल है, से जोड़ता है।

29. कौटिल्य द्वारा वर्णित 'कूटयुद्ध' या 'कूट' संदर्भित करता है:

- (a) खुले युद्ध को
- (b) छापामार और छलपूर्ण युद्ध को
- (c) कूटनीतिक युद्ध को
- (d) अनुष्ठानिक युद्ध को

उत्तर: (b) छापामार और छलपूर्ण युद्ध को

कूटयुद्ध में गुप्त साधनों, छल, प्रचार और हत्या का उपयोग शामिल है, ताकि तब जीत हासिल की जा सके जब खुला युद्ध (प्रकाशयुद्ध) अनुकूल न हो।

30. मनु का राजत्व सिद्धांत सम्मिलित करता है तत्त्वों को:

- (a) दैवीय अधिकार और लोकप्रिय सहमति के
- (b) दैवीय अधिकार और संविदात्मक दायित्व के
- (c) सैन्य शक्ति और लोकतांत्रिक चयन के
- (d) पुरोहितत्व और राजत्व के

उत्तर: (b) दैवीय अधिकार और संविदात्मक दायित्व के
दैवीय सृजन पर जोर देते हुए भी, मनु एक संविदात्मक तत्व की ओर भी संकेत करते हैं जहां लोग सुरक्षा के बदले कर देने के लिए सहमत होते हैं, ताकि मत्स्य न्याय से बचा जा सके।

31. सप्तांग सिद्धांत में, 'जनपद' संदर्भित करता है:

- (a) केवल राजधानी शहर को
- (b) क्षेत्र, जनसंख्या और संसाधनों को
- (c) केवल ग्रामीण क्षेत्रों को
- (d) केवल नागरिकों को

उत्तर: (b) क्षेत्र, जनसंख्या और संसाधनों को

जनपद राज्य के भौतिक और मानवीय संसाधनों को समाहित करता है—भूमि, लोग, नदियाँ, जंगल, आदि।

Ans. (b) Maximize state revenue for state power
All economic regulations—taxation, trade, agriculture, mines—were geared towards filling the state treasury (Kosh(a) to fund administration and expansion.

28. According to Manu, a king who rules according to Dharma attains:

- (a) Immense wealth only
- (b) Heaven after death
- (c) Popularity only
- (d) Conquest without war

Ans. (b) Heaven after death

Manu links righteous kingship (Rajadharma(a) with religious merit and spiritual rewards, including a place in heaven.

29. The 'Kutayuddha' or 'Kut a' mentioned by Kautilya refers to:

- (a) Open warfare
- (b) Guerrilla and deceitful warfare
- (c) Diplomatic warfare
- (d) Ritualistic warfare

Ans. (b) Guerrilla and deceitful warfare

Kutayuddha involves the use of covert means, deception, propaganda, and assassination to achieve victory when open war (Prakashayuddha) is not favorable.

30. Manu's theory of kingship combines elements of:

- (a) Divine right and popular consent
- (b) Divine right and contractual obligation
- (c) Military strength and democratic choice
- (d) Priesthood and kingship

Ans. (b) Divine right and contractual obligation

While emphasizing divine creation, Manu also hints at a contractual element where people agree to pay taxes in return for protection, to escape Matsya Nyaya.

31. In the Saptanga theory, 'Janapada' refers to:

- (a) Only the capital city
- (b) Territory, population, and resources
- (c) Only the rural areas
- (d) Only the citizens

Ans. (b) Territory, population, and resources

Janapada encompasses the physical and human resources of the state—land, people, rivers, forests, etc.

32. कौटिल्य की सलाह 'राजा उर्जावान होना चाहिए और कभी निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए' इसके महत्व को रेखांकित करती है:

- (a) व्यक्तिगत धर्मपरायणता का
- (b) एक सक्रिय, हाथों-हाथ प्रशासनिक भूमिका (प्रचंड) का
- (c) सभी कार्य मंत्रियों को सौंपने का
- (d) निरंतर युद्ध का

उत्तर: (b) एक सक्रिय, हाथों-हाथ प्रशासनिक भूमिका (प्रचंड) का

कौटिल्य का आदर्श राजा (विजिगीषु) एक गतिशील, सतर्क और मेहनती प्रशासक होता है जो व्यक्तिगत रूप से राज्य के मामलों की निगरानी करता है।

33. मनु के अनुसार, एक राजा के लिए सबसे बड़ा पाप है:

- (a) सेना की उपेक्षा करना
- (b) ब्राह्मणों की रक्षा करने में विफल रहना
- (c) उच्च कर लगाना
- (d) दोषियों को दंडित करने में विफल रहना

उत्तर: (d) दोषियों को दंडित करने में विफल रहना
दंड का उचित प्रयोग राजा का सर्वप्रथम कर्तव्य है। इसकी उपेक्षा सामाजिक अराजकता और आध्यात्मिक पतन की ओर ले जाती है।

34. कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' व्यापक रूप से संबंधित है:

- (a) लोक प्रशासन से
- (b) सैन्य रणनीति से
- (c) कूटनीति से
- (d) उपरोक्त सभी से

उत्तर: (d) उपरोक्त सभी से

अर्थशास्त्र राजनीति, प्रशासन, कानून, अर्थशास्त्र, विदेश नीति और सैन्य रणनीति को कवर करने वाला एक व्यापक मार्गदर्शिका है।

35. मनु की सामाजिक व्यवस्था स्थिर है क्योंकि यह जोर देती है:

- (a) सामाजिक गतिशीलता पर
- (b) समय के आधार पर परिवर्तन (कालवाद) पर
- (c) जन्म-आधारित वर्ण कर्तव्यों के पालन पर
- (d) व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर

उत्तर: (c) जन्म-आधारित वर्ण कर्तव्यों के पालन पर
जन्म के आधार पर अपने स्वधर्म का पालन करने पर जोर, बिना परिवर्तन के प्रावधान के, एक कठोर और स्थिर सामाजिक पदानुक्रम पैदा करता है।

36. निम्नलिखित में से किसे कौटिल्य की राजनीति में 'लक्ष्य' (गोल) माना जाता है?

- (a) क्षेत्र का अधिग्रहण और संरक्षण
- (b) राजा की आध्यात्मिक प्रबोधन
- (c) मंत्रियों का कल्याण
- (d) विश्व साम्राज्य की स्थापना

32. Kautilya's advice 'A king should be energetic and never be idle' underscores the importance of:

- (a) Personal piety
- (b) An active, hands-on administrative role (Prachanda)
- (c) Delegating all work to ministers
- (d) Constant warfare

Ans. (b) An active, hands-on administrative role (Prachanda)

Kautilya's ideal king (Vijigishu) is a dynamic, vigilant, and hardworking administrator who personally oversees the affairs of the state.

33. According to Manu, the worst sin for a king is:

- (a) Neglecting the army
- (b) Failing to protect the Brahmins
- (c) Imposing high taxes
- (d) Failure to punish the guilty

Ans. (d) Failure to punish the guilty
Proper application of Danda is the king's foremost duty. Its neglect leads to social chaos and spiritual degradation.

34. Kautilya's 'Arthashastra' deals extensively with:

- (a) Public Administration
- (b) Military Strategy
- (c) Diplomacy
- (d) All of the above

Ans. (d) All of the above

The Arthashastra is a comprehensive manual covering statecraft, administration, law, economics, foreign policy, and military strategy.

35. Manu's social order is static because it emphasizes:

- (a) Social mobility
- (b) Change based on time (Kalava)
- (c) Adherence to birth-based Varna duties
- (d) Individual liberty

Ans. (c) Adherence to birth-based Varna duties
The emphasis on following one's svadharma based on birth, without provision for change, creates a rigid and static social hierarchy.

36. Which of the following is considered the 'Lakshya' (goal) in Kautilya's statecraft?

- (a) Acquisition and protection of territory
- (b) Spiritual enlightenment of the king
- (c) Welfare of the ministers
- (d) Establishment of a world empire

उत्तर: (a) क्षेत्र का अधिग्रहण और संरक्षण
विजिगीषु (विजय की इच्छा रखने वाले राजा) का प्राथमिक उद्देश्य (लक्ष्य) भूमि (जनपद) का अधिग्रहण (पालन) और संरक्षण (रक्षण) है।

37. मनु 'दंड' को मानते हैं इसके रूप में:

- (a) राजा के क्रोध का
- (b) पृथ्वी पर दैवीय शक्ति का
- (c) लोकप्रिय इच्छा का
- (d) ब्राह्मणिक अधिकार का

उत्तर: (b) पृथ्वी पर दैवीय शक्ति का

दंड को सृजन देवता ब्रह्मा का पुत्र माना जाता है। यह न्याय और व्यवस्था का एक दैवीय सिद्धांत है जो राजा में निहित है।

38. कौटिल्य के दृष्टिकोण में, राजा की शक्ति पर प्राथमिक अवरोध है:

- (a) संविधान
- (b) जनता की इच्छा
- (c) धर्म और मंत्रियों की सलाह
- (d) सेना

उत्तर: (c) धर्म और मंत्रियों की सलाह

शक्तिशाली होते हुए भी, राजा धर्म (जिसमें राजधर्म शामिल है) से बंधा हुआ है और अच्छे शासन के लिए अपने मंत्रियों (मंत्री-परिषद) से परामर्श करने की सलाह दी जाती है।

39. मनुस्मृति नियम प्रदान करती है:

- (a) केवल ब्राह्मणों के लिए
- (b) केवल राजाओं के लिए
- (c) सभी चार वर्णों और जीवन के चरणों (आश्रमों) के लिए
- (d) केवल आर्थिक लेनदेन के लिए

उत्तर: (c) सभी चार वर्णों और जीवन के चरणों (आश्रमों) के लिए

यह एक व्यापक धर्म-शास्त्र ग्रंथ है जो सभी वर्णों और आश्रमों के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनीतिक कर्तव्यों को कवर करता है।

40. कौटिल्य का कराधान सिद्धांत आधारित था:

- (a) एक एकल, एक समान कर पर
- (b) राजा की मनमानी इच्छा पर
- (c) 'कल्याण' के सिद्धांत और भुगतान क्षमता पर
- (d) बिल्कुल कर नहीं पर

उत्तर: (c) 'कल्याण' के सिद्धांत और भुगतान क्षमता पर कर निष्पक्ष होने चाहिए, अत्यधिक नहीं, और एक माली द्वारा पके फल तोड़ने (पेड़ को मारे बिना) की तरह लगाए जाने चाहिए, ताकि स्रोत की समृद्धि सुनिश्चित हो।

Ans. (a) Acquisition and protection of territory

The primary objective (Lakshya) of the Vijigishu (the aspiring conqueror king) is the acquisition (palan(a) and protection (rakshana) of land (Janapad(a).

37. Manu considers the 'Danda' as the embodiment of:

- (a) The king's wrath
- (b) Divine power on earth
- (c) Popular will
- (d) Brahminical authority

Ans. (b) Divine power on earth

Danda is personified as the son of the creator god Brahma. It is a divine principle of justice and order vested in the king.

38. In Kautilya's view, the primary constraint on the king's power is:

- (a) The constitution
- (b) The will of the people
- (c) Dharma and the advice of the ministers
- (d) The army

Ans. (c) Dharma and the advice of the ministers

While powerful, the king is bound by Dharma (which includes Rajadharma) and is advised to consult his ministers (Mantri-Parishad) for sound governance.

39. The Manusmriti provides rules for:

- (a) Only the Brahmins
- (b) Only the kings
- (c) All the four Varnas and stages of life (Ashramas)
- (d) Only economic transactions

Ans. (c) All the four Varnas and stages of life (Ashramas)

It is a comprehensive Dharma-shastra text covering personal, social, and political duties for all Varnas and Ashramas.

40. Kautilya's taxation principle was based on:

- (a) A single, uniform tax
- (b) The king's arbitrary will
- (c) The principle of 'Kalyan' (welfare) and capacity to pay
- (d) No taxation at all

Ans. (c) The principle of 'Kalyan' (welfare) and capacity to pay

Taxes should be fair, not excessive, and levied like a gardener plucking ripe fruit (without killing the tree), ensuring the prosperity of the source.

41. मनु का 'आपद्धर्म' संदर्भित करता है:

- (a) स्थायी कानूनों को
- (b) आपातकाल या संकट के समय के कर्तव्यों को
- (c) राजा के कर्तव्यों को
- (d) युद्ध के नियमों को

उत्तर: (b) आपातकाल या संकट के समय के कर्तव्यों को आपद्धर्म संकट (जैसे अकाल, युद्ध) के समय अस्तित्व के लिए सामान्य नियमों में लचीलेपन की अनुमति देता है।

42. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में 'विजिगीषु' शब्द संदर्भित करता है:

- (a) आदर्श मंत्री को
- (b) आदर्श नागरिक को
- (c) आदर्श राजा (संभावित विजेता) को
- (d) मुख्य पुरोहित को

उत्तर: (c) आदर्श राजा (संभावित विजेता) को विजिगीषु कौटिल्य के सिद्धांत में केंद्रीय अभिनेता है—वह राजा जो विजय और विस्तार की इच्छा रखता है, जिसके लिए अर्थशास्त्र का संपूर्ण विज्ञान लिखा गया है।

43. राजा और ब्राह्मण के बीच संबंध पर मनु का विचार है कि:

- (a) राजा श्रेष्ठ है
- (b) ब्राह्मण श्रेष्ठ है
- (c) वे समान हैं
- (d) वे हमेशा संघर्ष में हैं

उत्तर: (b) ब्राह्मण श्रेष्ठ है जबकि राजा के पास लौकिक शक्ति है, ब्राह्मण, आध्यात्मिक और कानूनी प्राधिकार (धर्म) के स्रोत के रूप में, सर्वोच्च सामाजिक और धार्मिक दर्जा रखता है।

44. आंतरिक सुरक्षा पर कौटिल्य का जोर सबसे अच्छी तरह परिलक्षित होता है उनकी विस्तृत चर्चा में:

- (a) मंडल सिद्धांत पर
- (b) गुप्तचर प्रणाली (चर और गूढ़पुरुष) पर
- (c) किले की वास्तुकला पर
- (d) व्यापार मार्गों पर

उत्तर: (b) गुप्तचर प्रणाली (चर और गूढ़पुरुष) पर अर्थशास्त्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आंतरिक असहमति, भ्रष्टाचार और खतरों की निगरानी के लिए एक विस्तृत जासूसी नेटवर्क के संगठन के लिए समर्पित है।

45. मनु के अनुसार, उपज में राजा का हिस्सा (कर) न्यायोचित ठहराया जाता है इस रूप में:

- (a) एक दैवीय अधिकार के रूप में
- (b) उसकी रक्षा सेवा के भुगतान के रूप में
- (c) एक स्वेच्छिक उपहार के रूप में
- (d) एक युद्ध कोष के रूप में

उत्तर: (b) उसकी रक्षा सेवा के भुगतान के रूप में

41. Manu's 'Apaddharma' refers to:

- (a) Permanent laws
- (b) Duties in times of emergency or distress
- (c) Duties of the king
- (d) Laws of warfare

Ans. (b) Duties in times of emergency or distress Apaddharma allows for flexibility in normal rules during times of crisis (e.g., famine, war) for survival.

42. The term 'Vijigishu' in Kautilya's Arthashastra refers to:

- (a) The ideal minister
- (b) The ideal citizen
- (c) The ideal king (the would-be conqueror)
- (d) The chief priest

Ans. (c) The ideal king (the would-be conqueror)

The Vijigishu is the central actor in Kautilya's theory—the king desirous of conquest and expansion, for whom the entire science of Arthashastra is written.

43. Manu's view on the relationship between the King and the Brahmin is that:

- (a) The King is superior
- (b) The Brahmin is superior
- (c) They are equal
- (d) They are always in conflict

Ans. (b) The Brahmin is superior

While the King holds temporal power, the Brahmin, as the source of spiritual and legal authority (Dharma), holds the highest social and religious status.

44. Kautilya's emphasis on internal security is best reflected in his detailed discussion on:

- (a) Mandala Theory
- (b) Espionage (Chara and Gudhapurusha)
- (c) Fort architecture
- (d) Trade routes

Ans. (b) Espionage (Chara and Gudhapurusha)

A significant portion of the Arthashastra is dedicated to organizing an elaborate spy network to monitor internal dissent, corruption, and threats.

45. According to Manu, the king's share of the produce (tax) is justified as:

- (a) A divine right
- (b) A payment for his service of protection
- (c) A voluntary gift
- (d) A war fund

Ans. (b) A payment for his service of protection

इसे राजा के लिए एक वेतन (vetan) के रूप में तैयार किया गया है जो प्रजा की रक्षा करता है और व्यवस्था बनाए रखता है, अंतर्निहित सामाजिक संविदा से उत्पन्न होता है।

46. सप्तांग में, 'अमात्य' संदर्भित करता है:

- (a) युवराज को
- (b) मंत्रिपरिषद और नौकरशाही को
- (c) मुख्य न्यायाधीश को
- (d) सेनापति को

उत्तर: (b) मंत्रिपरिषद और नौकरशाही को

अमात्य संपूर्ण प्रशासनिक मशीनरी और सलाहकारों का प्रतिनिधित्व करता है जो राजा को शासन में सहायता करते हैं।

47. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' को वर्णित किया जा सकता है इस प्रकार:

- (a) आदर्शवादी और दार्शनिक
- (b) व्यावहारिक और उपयोगितावादी
- (c) धार्मिक सिद्धांतवादी और हठधर्मी
- (d) लोकतांत्रिक और उदार

उत्तर: (b) व्यावहारिक और उपयोगितावादी

यह ग्रंथ अपनी निर्मम व्यावहारिकता के लिए प्रसिद्ध है, जो इस बात पर केंद्रित है कि शक्ति प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए क्या काम करता है, जहां अंत साधन को अक्सर उचित ठहराता है।

48. मनु की 'चातुर्वर्ण्य' प्रणाली मुख्यतः एक है:

- (a) राजनीतिक प्रणाली
- (b) आर्थिक प्रणाली
- (c) सामाजिक और व्यावसायिक विभाजन
- (d) धार्मिक संप्रदाय

उत्तर: (c) सामाजिक और व्यावसायिक विभाजन

यह आदर्शकृत व्यावसायिक भूमिकाओं पर आधारित एक पदानुक्रमित सामाजिक विभाजन है: ब्राह्मण (पुजारी/शिक्षक), क्षत्रिय (शासक/योद्धा), वैश्य (व्यापारी/किसान), शूद्र (सेवक)।

49. 'षड्गुण्य' (छह-गुना नीति) की अवधारणा संबंधित है कौटिल्य की:

- (a) सैन्य संगठन से
- (b) विदेश नीति से
- (c) आर्थिक नीति से
- (d) सामाजिक नीति से

उत्तर: (b) विदेश नीति से

षड्गुण्य रणनीतिक विकल्पों का वह समूह है जिसे एक राजा अन्य राज्यों के साथ अपने संबंधों में अपना सकता है।

It is framed as a wage (vetan) for the king who protects the subjects and maintains order, stemming from the implied social contract.

46. In Saptanga, 'Amatya' refers to:

- (a) The heir apparent
- (b) The council of ministers and bureaucracy
- (c) The chief justice
- (d) The army commander

Ans. (b) The council of ministers and bureaucracy
Amatya represents the entire administrative machinery and advisors that assist the king in governance.

47. Kautilya's 'Arthashastra' can be described as:

- (a) Idealistic and philosophical
- (b) Pragmatic and utilitarian
- (c) Theological and dogmatic
- (d) Democratic and liberal

Ans. (b) Pragmatic and utilitarian

The text is renowned for its ruthless pragmatism, focusing on what works to gain and maintain power, with the end often justifying the means.

48. Manu's 'Chaturvarnya' system is primarily a:

- (a) Political system
- (b) Economic system
- (c) Social and occupational division
- (d) Religious sect

Ans. (c) Social and occupational division

It is a hierarchical social division based on idealized occupational roles: Brahmins (priests/teachers), Kshatriyas (rulers/warriors), Vaishyas (traders/farmers), Shudras (servants).

49. The concept of 'Shadgunya' (six-fold policy) is related to Kautilya's:

- (a) Military organization
- (b) Foreign policy
- (c) Economic policy
- (d) Social policy

Ans. (b) Foreign policy

Shadgunya is the repertoire of six strategic options a king can employ in his relations with other states.

50. मनु और कौटिल्य दोनों इस बात से सहमत हैं कि 'दंड' का प्राथमिक उद्देश्य है:

- (a) राजा को समृद्ध करना
- (b) भय उत्पन्न करना
- (c) धर्म को कायम रखना और व्यवस्था सुनिश्चित करना
- (d) निम्न वर्णों को दंडित करना

उत्तर: (c) धर्म को कायम रखना और व्यवस्था सुनिश्चित करना

मतभेदों के बावजूद, दोनों विचारक दंड को मनमाने दंड के रूप में नहीं, बल्कि धर्म (धार्मिक व्यवस्था) और सामाजिक स्थिरता के रखरखाव के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में देखते हैं।

50. Both Manu and Kautilya agree that the primary purpose of 'Danda' is to:

- (a) Enrich the king
- (b) Instill fear
- (c) Uphold Dharma and ensure order
- (d) Punish the lower Varnas

Ans. (c) Uphold Dharma and ensure order

Despite differences, both thinkers see Danda not as arbitrary punishment, but as the essential instrument for the maintenance of Dharma (righteous order) and social stability.